

[illegible]



रहितिलकीमियाथ॥

मिदिसम्प्रीयाथ

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवा
दः ॥ अथ कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सोः पांडवो
रुद्राक्ष उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्वाक्यं वीराणां प्र
ह्लादयित्वा ॥

[illegible][illegible]

[illegible]



[illegible]

नैजटवेसूत्रीयायुज ॥ नैजतवावाकीयायुज ॥ नैजयव्वंवायायुज ॥ नैजयंवा
 मयुजयेयीयुज ॥ नैजगमकालक्ष्मीयायुज ॥ नैजनवलिदय ॥ व्वंतिरुम्वप्रवी
 युज ॥ नैजकांक्षुयालाययायुज ॥ नैजवोवदकायेयायुज ॥ नैजने
 नैजयतययायुज ॥ नैजयोयागिनीयायायुज ॥ नैजधुं वामयुजयेयायुज ॥
 नैजवलि ॥ ॥ तताव्वंवादिताकयालेयुज ॥ ॥ नैजव्वंवाययायु
 ज ॥ नैजनेनययायुज ॥ नैजयमाययायुज ॥ नैजनेमयाययायुज ॥ नैजत्रवे
 लाययायुज ॥ नैजवोयययायुज ॥ नैजकववाययायुज ॥ नैजव्वंवानायया
 युज ॥ नैजसूथीययायुज ॥ नैजदुर्दाययायुज ॥ नैजवलिदय ॥ ॥
 नैजकातायेयायुज ॥ धनधुलिथुज ॥ ॥ ततखखयुज ॥

५ धनसेदिलक्ष्मियुज ॥ ४
 धधुलिमयाकाठखपुमयुज ॥ विलिखधत ॥ महाकालखपुम ॥ नैजनेक
 महाकालाययायुज ॥ वलि ॥ ॥ नैजकांक्षुयालाय
 यायुज ॥ वलि ॥ ॥ ५ ॥ धनखपुमयुज ॥ ॥ खपुमयाकाठदेवया
 कयाय ॥ ५ ॥ ततकल्लणचने ॥ न्यामका ॥ न्यामन ॥ नैजआवादिमृदुय
 वि कामनयायुज ॥ नैजवृथासनाययायुज ॥ नैजमिळामनाययायुज ॥ धन ॥
 नैजपुदुष्टुठिकेमेकाणपुदुकासाविगजित ॥ ववदामयदुष्टुठिमिष्टकामा
 धमिष्टिद ॥ धनयय ॥ ॥ न्याजालि ॥ नैज ॥ न्यानवृणकिमेववानुदवी
 नाधियतयय ॥ धीमेयुपुकल्लणययायुज ॥ ३ ॥ वलि ॥ नैजको
 ददयादिम ॥ ॥ नैजयुज ॥ वलि ॥ ॥ धन ॥ नैजदगय ॥ व्वंति कल

मर्चने ॥ ततः ४ कं मर्चने ॥ न्यामः ॥ आसन ॥ नैज आध्यावाय्यष्टयष्टिकासन
 नयायुज ॥ नैज नैकावासनोययायुज ॥ अतः ॥ नैजलाकावमेनिगादवीयेमवागम
 मयुग ॥ अष्टादशगुणाकीर्णमदीलेकावहृषितो ॥ अतः यथै ३ ॥ यथा ॥ अति ॥
 नैज युज ॥ नैववातन्यधीमदीविद्यावाजुर्ग ॥ अतः कीकलकं गाथयायुज ॥ ३ ॥
 वलि ॥ नैजमादुदयादिषष्ठ(द्विग)यु ॥ अतः ॥ वलि ॥ यानिमृदाद
 य ॥ ॥ ॐ ति कं मर्चने ॥ ॥ अथ ॥ मरुकातेयुज ॥
 ततः मरुकाकालवलि युज ॥ न्यामः ॥ आसन ॥ नैज आध्यावाय्यष्टयष्टिकासनया
 युज ॥ नैजमरुकावतामनाययायुज ॥ यथा ॥ अति ॥ नैज नैकं मरुकाकालायाया
 युज ॥ ३ ॥ वलि ॥ नैजकोदुदयादिषष्ठ(द्विग)युज ॥ वलि ॥ मृदादग

१ स्वर्ग मर्चने

य ॥ ॥ ॐ ति मरुकाकालवलि युज ॥ ॥ अथ ॥ नैज वलि युज नै ॥ न्या
 मः ॥ आसन ॥ नैज आध्यावाय्यष्टयष्टिकासनयायुज ॥ नैज नैवासनोयया
 युज ॥ यथा ॥ अति ॥ नैजकोदुदयालायायायुज ॥ ३ ॥ वलि ॥ नैजकोदु
 दयादिषष्ठ(द्विग)युज ॥ वलि ॥ मृदादग ॥ ॥ ॐ ति कं मर्चने ॥
 युज ॥ ॥ ततः वासुधु वलि युज ॥ न्यामः ॥ आसन ॥ नैज आध्यावाय्य
 ष्टयष्टिकासनयायुज ॥ नैजयुतामनाययायुज ॥ यथा ॥ अति ॥ नैजकोदु
 दिवासुधुयायुज ॥ ३ ॥ वलि ॥ नैजकोदुदयादिषष्ठ(द्विग)यु ॥ युज ॥
 वलि ॥ यानिमृदादग ॥ ॥ ॐ ति वासुधु वलि युज ॥ ॥ ततः मरुका
 युज ॥ नैज ईदुर्गम्याययकालयखादयखादययकं यायुज ॥ वलि ॥ आदुग

३ दद मरुकादसयुते ॥

हलि ॥ ॥ लीवला ॥ नैज धन नूद नो यय नै मे नो मा वणा यया यूज ॥ वलि ॥
 ॥ ० ॥ ति मु ना का यूज ॥ ॥ वलि मु ल रु ॥ नैज को कुरु या ला य वलि ॥ ॥ ० ॥
 ॥ ० ॥ नैज वी व द क ना था य वलि ॥ ॥ ० ॥ ॥ ० ॥ नैज गी ग ल य त य वलि ॥ ॥ ० ॥
 ॥ ० ॥ नैज नै दू म हा का ला य वलि ॥ ॥ ० ॥ ॥ ० ॥ नैज शु प्री सि दि वा म
 ॥ ० ॥ य वलि ॥ ॥ ० ॥ नैज म व या द व या वलि ॥ ॥ ० ॥ ॥ ० ॥ नैज म व
 ॥ ० ॥ य वलि ॥ ॥ ० ॥ नैज पी ड ग व या द य वलि ॥ ॥ ० ॥ ॥ ० ॥ नैज दू व
 ॥ ० ॥ ॥ ० ॥ वलि ॥ ॥ ० ॥ नैज शु वलि ॥ ॥ ० ॥ ॥ ० ॥ म म य वलि वि य
 ॥ ० ॥ म म म म न यी ० मि का म न यी ० यी ॥ ० ॥ य यी ॥ ० ॥ क र य क र य
 ॥ ० ॥ य म द र ॥ दि य मि दि म म य व क या दू का यूज या मि वलि ॥ ॥

॥ ० ॥ नैज ड का नू क या वि दि क न व नै रु द या य वलि ॥ ॥ ० ॥ ॥ ० ॥ ति वि
 ति वि य वि दि ॥ ॥ व न य ता दि का रु व य द व म ॥ व त ॥ नैज पी ड ग व या द य
 व न य त या यूज ॥ मि य ॥ नैज पी ड ग व या द य मि व य या यूज ॥ भान ॥ नैज पी ड ग व
 ॥ ० ॥ य यी या यूज ॥ धू य ॥ नैज पी ड ग व या द य धू या या यूज ॥ दी य ॥ नैज पी ड
 ॥ ० ॥ य यी या यूज ॥ नैज पी ड ग व या द य नैज पी ड ग व या यूज ॥ ली व
 ॥ ० ॥ व न य ता दि का रु व य द व म ॥ मृ ल म नू ज ॥ आ व म नी य या य ॥ ॥ ० ॥
 ॥ ० ॥ व न य ता दि का रु व य द व म ॥ नैज य ग ति म न ल क म य ग म म क म म
 ॥ ० ॥ व न य ता दि का रु व य द व म ॥ नैज य ग ति म न ल क म य ग म म क म म
 ॥ ० ॥ व न य ता दि का रु व य द व म ॥ नैज य ग ति म न ल क म य ग म म क म म

वसुनिष्ठक कलगा लेखन ॥ वसुनादिन आहुं संकाय ॥ कृमयगनयाय ॥
कृमकनसाय ॥ धनादिगयागन ॥ दवयागनि ॥ धनतय ॥ वसुयागन ॥
निधियागन ॥ समयकाय ॥ कृमयवाठकाय ॥ मुठिलिनदाय ॥ मुठिलिस
वाठसिधननय ॥ दवयाक मठिकाल ॥ धनतय ॥ ॥ धनैतिदिगया
यावगमनयाय ॥ यदवायन कृमयवाठकाय ॥ वगमनयाय ॥ डंगमनय
धलागाय कृमाय विजयाय ॥ गङ्गाय कृमिनागाय ॥ यूनवा विजयाय ॥
कृमयवाठकाय ॥ लिहावयावठसयाल ॥ धनैतिदवसुधुनवसना
यदवायमनय ॥ वलिठठस नवलगादिन सकलगा वलिधामवाय ॥
यदवसु सकलकृमयकाय ॥ कृमाय विजयाय ॥ धनैतिदिगयादिन सकलगायुन

याकतय कलगाय ॥ धनैतिराय ॥ लंतिदगमीयाविधिषा ॥
बुधवदुधयाविधिषा ॥ दवमान ॥ बुधनसकाव ॥ न्यामाय यगयुजा ॥
आमयुजा ॥ ॥ विधिधंङ्गवपु ॥ दवावृनयाय ॥ धृयदीयजाय
कृम ॥ दवमकाकाठ समयकाय ॥ दवमयुजा ॥ ॥ दवाणीवदि ॥ आ
नागीवदि ॥ न्याम ॥ वलिविमर्जन ॥ समयकाय ॥ यधुवृथय ॥
यधुथयमन ॥ निमाल्य सकलगावाय ॥ ॥ राय ॥ लंतिवदुधया
विधिषा ॥ ॥ सगङ्गायिणी ॥ कृमयुयसीपुत्रवाल ॥ कृमालिखितम
युधुमिति ॥

छं नमस्तुति काये ॥ यादवीमधुकेठरुयुसपती यावपुसपुकिनी यातागामाहे यासुवक
 यकवीयावकवीजायया। यासापुननेपुनवपुदलेनी यादवदवाकिनी यादवीतवन
 कदकिपुपुजेवकसदावपुके ॥
 १७५ छंकीवाजयुदकुं डवपुविपुसदनीदुं दुं सदावक २ वांसां स ३ मृदु
 वनम ४ म्वाहायायुज ॥

म ३

छं यादवीमधुकेठ ॥ यधुं एगवायना सापुपुनमिपनि साकृपु नीसाहीमासापु
 मा शीसाकृमवधुं मुटिकप्रविनिशावाहयय किनामापुवायावदयधुमृदुः
 दलसुमुडाखपुमायापुधनाद्योद्योयीधकृवाधप्रतिदलंधनीयाउवाजुधः
 यधुं ॥ यागाकायायनीसाहविमहि यमसकृययायगिने गयधर्मवाध ३ नाकि
 दिगिगनयउं यीगुलवकंसकाय ४ रुग ५ यं ६ हीयैत्रवउदधकिं ७ यागक
 धयविद ८ लनेयानिककृमुजमहि यत्रिषायागिनीमयुयाकी ॥ दवीरुयाया
 विरुयाहि माखायवाजिगाजं रानीकामथेव ॥ यार्क रुनीभाहिनिकात्वनेनया
 कयंहीमापुदमायुवदु ॥ ॥ यकाधाउमुयंहीरुविमहि यममाकाकिनी

गुलयाणी वाह सा स्थ म (म) लमिममिस् कये ३१ के वाह १७ नी व द क्र मोम
यो व द अ म मि सु र ह ना का ३३ गुलं म य क वा म रु ट मु या ग न न उ क ल हा मा
वा य ग न क नी या म ने म ला द ये न कि सु उ म व क व य ग ला गु ल का य क मा ना द
वी नो मि नि र्ग र य म क ल रु नी न दु य यो न का ली वा क्रो या ल म रु यी ३ ॥
कृ ष्ण मु ला ग य व द थु ग ल रु य न खि व क र्ति न र हा ग व भु मि र्ग ल रु क ल
रु व र्ण न र य च्छा क व द्धि वा यि ग म र्द यि रु क र्ण क ल न मि व स मा था व द्धा क मा
पं मा र्ग वि ल्पि क मा र्थी व र्ण न रु न हा का ल द र्द न मा मि ॥ म हा का ल या ॥
क र्ण ना मा वि य य ४ स क ल रु ग दि द र्द र्द वा वि ल्पि क का थ ग र्द यि रु व द्धि रु
व द्धि वि वि ध व म नो व वि द्धा व नो दी को मा वी की र्ति का मा वि व रु म र्द म र्द व र्ण वी ग य मा ना वा
दी वा र्ग य की य दू ग व य ग हा नि य मा ना त थ दी वा म अ र्ध वि व द्धि रु व ग म र्द यि मा मा त वा त

रु म क रु म र्द न र य च्छा क व द्धि वा व र्ण क का ल रु र्ण ल रु क ल म र्द वा व द्धि रु क र्ण व
न र य च्छा रु र्द रु ट उ म व क म र्द र्ग क रु याल न मा मि ॥ क रु या ॥ ॥ वा म रु
व रु य य क र्द रु द ग ना था व र्द रु क वा वा यी दी नि मा सि द रु क नि ग न र व नि य
का ल क र्ण र्ति न र दि यानि म्भु मा ला रु नि ग न म्भु नि रु र्ध व र्द रु मि र्ग र्ग य द्धा
न अ रु रु मा ग म रु म वि र्द य वि ग य म र्द रु ॥ वा म रु ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 किमिर्महा नकात्रिणी ॥ सद्यो सिद्धि यदा यदा वीर्ययत्र यावमात्रिणी ॥ इहो यात्रिणि रं रं
 महावैविविनागनी ॥ त्वं श्रीयत्र नमीश्वरी त्वं श्रीरुननीयया ॥ यदुमी र्वं गुणयः
 यो मुक्तिं ययस्त्रयित्री ॥ उं कायश्च यदा यदा वीर्यं काययत्रमात्मनी ॥ ईं कायश्च रुका
 यश्च उकायैवेद्यं र्मं यमं ॥ दमो दमो शुक्रयत्र विवीर्यं नाममाकर्ष ॥ उग्रयधुय द
 र्श्या मास्त्राहने च संवद्वयी ॥ रुमवभुविने शयदभा ह्यशुक्रमात्रिणी ॥ आनीय
 रुविमक्तिं त्रामरुमासूत्रद्यागनी ॥ निजकिं शुक्लाहमिष्टसूत्रं नैह निदिमियागे
 प्रमका मरु यमापूराय वा वाश्च कात्रिणी ॥ यजयय रुदि नाशो उग्रयं शुनिवा
 यं ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

के मायस्थुष्टक गणायुक्तं वृद्धयस्तु। दिकादिशि। मलादुर्गन्धवीमलस्य। उग्रयष्टीन
मायुक्तं ॥ १८ ॥ अग्निहोत्रयष्टीमकाङ्क्षुमि ॥ ॥

१॥ आधन विधि ॥ ऊ व ख व न म स्का या य ॥ या धा या म ॥ न्या स या य ॥ जि का ध या य ॥ वा रु ने ॥
द व य न ॥ द व स जि का ध या य व रु न स वा ॥ ना द ने ॥ क ४ ज म रु ड ॥ या न ता क या स्य म ॥
मु ल म नु द या य उ य ॥ २६ ॥ ना य गी ॥ ३ ॥ न र्यो धा ॥ धी स्त न व या र्क का य रु या मि न र्यो या मि ॥ ३ ॥
ह र्से र्से ॥ २० ॥ हृ द य र्से ॥ न र्दे रु क ल या नि न्यां न न्द न र्दे ल र्से व वा धा न न्द रु य ल्ता या या य
ना न्य र्से न मा रु ने ॥ न म ४ धी ना र्थ ति ॥ ३ ॥ या स या य ॥ न र्मा त्म न स्त य र्से स्त भ या मि ॥ क ४ वि
न र्दे स्त य या मि ॥ रु ति व न रु स्त य मि ॥ रु स र्व न रु स्त य मि या मि ॥ य का का य स य ल द व
व स र्का क नू या व जि का ध या या व भ य ॥

[illegible]

२७ अथ सयुनस्य नवाविमिश्रायुहवदुतकादू ६ लूसियायवमुहलुगु
 नूयोडयदशदेदारुलिमकुधरुकोडययादावनरात्रधुयकावनि
 कात्रधवकलकयाय ॥ सति कूदूयसमरुवर्नजीवात्रामात्रकायादाव
 मात्रकाधूनकावखावदावदुतगुद्वियाय ॥ ॥ धर्नीलिगमदवनाथ
 मसदायागंडाईदवनायान्यासयाय ॥ धर्नीलियागयामयाय ॥ ॥ य
 सयुगइसुनामकुमानयाय ॥ ॥ स्नानयादावकेशीहामनलखददावस
 कल्ययाय ॥ ॥ ॐ अथवालाहकल्यति ॥ ॥ ॐ अथादि ॥ ॥ अथ
 नाहगसुदियाकनअमूकदवनाअमूकमनुसिद्धार्थगमसावधिमूकियं
 योर्नअवकमाहकविश्व ॥ ॥ धर्नवउयावलाहगतत्रादकेशीहद

३१

गाडगावगुरुधमनालमनागनाललखसईदावययाय ॥ ॥ धर्नधूनदाउ
 वलनलार्नसाजययादशईगहामयादशईगतयैधययादशईगहमा
 र्जनयाया ॥ ॥ वननमलार्नसतिनिकूदूयायधर्नलिदशईवाज्ञलराऊ
 न ॥ ॥ सूरुदकिष्ठात्रये ६० ॥ अथत्राविंशत्रि २० ॥ ॥ अथत्रात्रि १०
 ॥ ॥ ॥ अथादि ॥ काअथयमयुगवान्नीगुदूत्रदासस्यहीहीहीकटि का
 दकासकुयतिवअकाठावुइजितकयुययमाकमकुसिद्धि ४ कामे १ वाह
 गसुदियाकनयगमवधिविमूकिययर्नयंवाकूलयुनस्यनवाकमईय
 कमेकविश्व ॥ ॥ ॥ वाकूलयुनिथ ॥ ॥

८ न ना को मारी बुजा ॥ न्यास क कारन ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

त्रैलोक्यस्य सनातनार्थयात्र ॥